प्रवेश संवाद

चुप न रहें संवाद करें

डिजीटल मीडिया पार्टनर

बुन्देली halchal.com

#Digital Edition

www.bundelihalchal.com

सागर, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

परिजनों का आरोप- झूठे आरोपों ने ली हीरालाल की जान

दुष्कर्म मामले में फरार आरोपी की मौत, फांसी लगाकर दी जान

सागर जिले के मोतीनगर थाना क्षेत्र में दर्ज दुष्कर्म के एक मामले ने अब नया और गंभीर मोड़ ले लिया है। दुष्कर्म के आरोप में फरार चल रहे आरोपी का शव बांदरी थाना क्षेत्र के ग्राम पिठोरिया में फांसी के फंदे पर लटका मिला है। मृतक की पहचान हीरालाल पटेल के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव का पंचनामा बनाया गया और गुरुवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पृथ्वी सुरेंद्रसिंह ✍ सागर
9926459376

शव सागर लाए जाने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया। आक्रोशित परिजनों और समाज के लोगों ने मोतीनगर चौराहे पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। परिजनों का आरोप है कि हीरालाल को एक महिला द्वारा झूठे दुष्कर्म के मामले में फंसाया गया था, जिसके चलते वह गहरे मानसिक तनाव में था और इसी कारण उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया।

परिजनों ने पुलिस और प्रशासन पर निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। चक्काजाम की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाइश दी। अधिकारियों द्वारा निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिए जाने के बाद करीब एक घंटे बाद चक्काजाम समाप्त हुआ। इस दौरान मोतीनगर चौराहे पर यातायात पूरी तरह बाधित रहा, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

उधर, गुरुवार को एक सीसीटीवी वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने पूरे मामले को और भी संदिग्ध बना दिया है। वायरल वीडियो में पहले एक महिला निर्वस्त्र हालत में भागती हुई दिखाई दे रही है और लगभग तीन सेकेंड बाद एक पुरुष भी दूसरी दिशा से भागता नजर आता है। दावा किया जा रहा है कि वीडियो में दिखने वाला पुरुष ही मृतक हीरालाल पटेल है। हालांकि, प्रवेश संवाद इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है और न ही पुलिस की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि की गई है।

पुलिस के अनुसार, 12 जनवरी को मोतीनगर थाना क्षेत्र में रहने वाली 46 वर्षीय महिला ने हीरालाल पटेल के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू की थी। मामला दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि हीरालाल ने बांदरी थाना क्षेत्र के ग्राम पिठोरिया में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

परिजनों का कहना है कि मामला दर्ज होने के बाद से हीरालाल लगातार मानसिक तनाव में था। समाज में बदनामी और गिरफ्तारी के डर से वह टूट चुका था। उनका आरोप है कि महिला द्वारा दर्ज कराया गया दुष्कर्म का मामला पूरी तरह झूठा है और इसी झूठे आरोप ने उसकी जान ले ली।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आत्महत्या के कारणों, दुष्कर्म के आरोपों और वायरल सीसीटीवी फुटेज तीनों पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि जांच निष्पक्ष होगी और यदि किसी भी स्तर पर गलत पाया गया तो दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

इस वीडियो की पुष्टि प्रवेश संवाद नहीं करता है

छिरारी ग्राम पंचायत की गौशाला में मिली भारी अनियमितताएं, औचक निरीक्षण में हड़कंप

100 गायों की क्षमता वाली गौशाला में ताला, केवल 7 गायें मिलीं; रिकॉर्ड जब्त, जांच के दिए निर्देश

प्रवेश संवाद रहली
9340161838

सागर के रहली जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत छिरारी में गोपाल जी स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित गौशाला का अनुविभागीय अधिकारी कुलदीप परासर, जनपद पंचायत सीईओ आर. जी. अहिरवार एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेश कपश्या द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। 100 गायों की क्षमता वाली इस गौशाला पर ताला लगा मिला और भीतर केवल टैग लगी सात गायें मौजूद पाई गईं। इनमें से एक गाय प्रसव पीड़ा से तड़पती हुई मिली, जिससे पशुओं की देखरेख को लेकर बड़ी लापरवाही उजागर हुई। निरीक्षण के समय गौशाला का संचालक और चौकीदार दोनों ही अनुपस्थित पाए गए। एसडीएम सहित अधिकारीगण लगभग एक घंटे तक गौशाला के बाहर खड़े रहे, इसके बाद ताला खोला गया और अंदर की स्थिति सामने आई।

घटना से यह स्पष्ट होता है कि गौशाला संचालन में सरकारी राशि और पशु कल्याण के नियमों की खुली अनदेखी की जा रही है। मामले को गंभीर मानते हुए प्रशासन द्वारा आगे की जांच और कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।इस मैं आजीविका मिशन की भी अनदेखी नजर आ रही हैं।

वही इस मामले में एसडीएम कुलदीप पाराशर ने कहा कि शासकीय गौशाला का निरीक्षण किया गया है उसमें जो भी अव्यवस्थाएं पाई गई हैं जिन्हें मौके पर ही गौशाला का संचालन करने वाली समूह की संचालिका को व्यवस्थाएं ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं और गौशाला के लिए शासन के जो मापदंड हैं उनके अनुसार व्यवस्थाएं रखी जाए प्रथमदृश्य वहां पर कुछ गड़बड़ियां मिली है जिन्हें पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी जांच कर रहे हैं जो कमियां वहां पाई है और जो जांच रिपोर्ट आएगी उसके बाद कंट्रीसमिति बुलाई जाएगी आगामी निर्णय लिया जाएगा।

जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेश कपस्या ने कहा कि लंबे समय से छिरारी गौशाला की शिकायत आ रही थी आज रहली अनुविभागीय अधिकारी कुलदीप पाराशर, जनपद सीईओ आर डी अहिरवार ने औचक निरीक्षण किया था जिसके बाद गौशाला में बहुत अनियमितताएं पाई गई है जिसके बाद तत्काल मौके से अधिकारियों ने गौशाला का रिकॉर्ड जप्त किया हैं।

1 यात्री बस का पंजीयन निरस्त, तीन स्लीपर कोच बसें जब्त

प्रवेश संवाद सागर

परिवहन आयुक्त, मध्यप्रदेश ग्वालियर एवं कलेक्टर सागर द्वारा यात्री बसों, स्कूल बसों तथा अवैध रूप से संचालित वाहनों की सघन चेकिंग के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं निर्देशों के क्रम में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, सागर द्वारा जिले में सख्त कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान यात्री बस क्रमांक MP15PA0188 का पंजीयन निरस्त करते हुए वाहन को स्क्रैप किए जाने के आदेश जारी किए गए हैं। चेकिंग अभियान के दौरान कुल पांच यात्री बसों में अग्निशमन यंत्र एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा उपायों की कमी पाई गई। इस पर संबंधित वाहन संचालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए कुल 20 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही सागर जिला बस ऑपरेटर एसोसिएशन के साथ क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, सागर में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्लीपर कोच यात्री बसों में एआईएस-119 के प्रावधानों के तहत आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि प्रत्येक बस में आगमन और निर्गमन के लिए अलग-अलग दो दरवाजे होना अनिवार्य है।

स्लीपर कोच बसों में कुल चार इमरजेंसी एग्जिट होना आवश्यक होगा। इनमें एक ड्राइवर साइड पीछे की ओर, एक बस के सबसे पीछे बीच में तथा दो इमरजेंसी एग्जिट छत पर आगे और पीछे की ओर होना चाहिए। प्रत्येक इमरजेंसी गेट का आकार 58 सेंटीमीटर × 90 सेंटीमीटर निर्धारित किया गया है।

अग्नि सुरक्षा के लिए प्रत्येक बस में 10 किलोग्राम के दो अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रूप से लगाए जाएंगे, जिन्हें आगे और पीछे की ओर रखा जाएगा। इसके अलावा किसी भी वाहन में ड्राइवर पार्टीशन डोर नहीं होगा और स्लीपर बर्थ पर स्लाइडर लगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। केवल आसानी से खुलने वाले पर्दे लगाए जा सकेंगे।

परिवहन विभाग ने चेतावनी दी है कि जांच के दौरान यदि इन निर्देशों का उल्लंघन पाया गया, तो मोटरयान अधिनियम 1988 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

5 दिन से लापता व्यक्ति का कुएं में मिला शव, परिजनों ने बंडा तिराहा पर शव रखकर किया चक्काजाम

प्रवेश संवाद खुरई

परिजनों और ग्रामीणों ने लगाया जाम

खुरई के बांदरी थाना क्षेत्र के झीकनी गांव से पांच दिन से लापता व्यक्ति का संदिग्ध हालत में कुएं में शव मिलने से हड़कंप मच गया। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने बांदरी के बंडा तिराहा पर शव रखकर चक्काजाम लगा दिया है।

पांच दिन बाद कुएं में मिला शव: जानकारी के अनुसार राजीव मडोतिया निवासी झीकनी 9 जनवरी की शाम को घर से निकले थे, लेकिन वह देर रात तक घर वापस नहीं पहुंचे। परिवार के लोगों ने तलाश किया तो मिले नहीं। इसी दौरान गांव के पास स्थित नीलेश राय की दुकान के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। जिसमें शाम करीब 7.30 बजे राजीव पैदल जाते हुए नजर आया था। मामले में 10 जनवरी को परिवार के लोगों ने बांदरी थाने पहुंचकर शिकायत की। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। लापता होने के पांच दिन बाद गांव के पास ही एक खेत में बने कुएं में संदिग्ध हालत में राजीव मडोतिया का शव मिला। पुलिस ने एफएसएल और डॉग स्क्वाड की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।

परिजनों ने शव को पुराने नेशनल हाईवे 26 पर स्थित बांदरी के बंडा तिराहा पर शव रखकर चक्काजाम लगा दिया है। परिजनों की मांग है कि हत्या करने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए। परिवार को आर्थिक सहायता दी जाए। मृतक की पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं जिनका पालन पोषण कैसे होगा। इन्हीं मांगों को लेकर जाम किया गया है। जाम लगने से तिराहा पर वाहनों की कतार लग गई है। जाम की सूचना लगते ही खुरई एसडीओपी सचिन परते, बांदरी थाना प्रभारी सुमेर सिंह जगेत, खुरई शहरी थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह दांगी, खुरई देहात थाना प्रभारी संतोष सिंह ठाकुर सहित आसपास के थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया है।

मंदिर का ताला तोड़ दानपेटी से नकद ले भागे चोर: गोवर्धन मंदिर परिसर की वारदात, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

प्रवेश संवाद सागर

रिमझिरिया में स्थित प्रसिद्ध गोवर्धन मंदिर में चोरों सेंध लगाई। चोर मंदिर परिसर में बने शनि मंदिर का ताला तोड़कर दानपेटी से नकद रुपए लेकर भागे है। वारदात सामने आते ही मंदिर के पुजारी ने सिविल लाइन थाने में शिकायत की। शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के अनुसार, तहसीली क्षेत्र के रिमझिरिया में गोवर्धन मंदिर स्थित है। मंदिर परिसर में शनि देव मंदिर भी बना है। रोजाना की तरह पुजारी रात में मंदिर बंद कर घर चले गए थे। इसी दौरान चोरों ने मंदिर में वारदात को अंजाम दिया। सुबह मंदिर के संरक्षक रामकिशन यादव और पुजारी मंदिर पहुंचे तो मंदिर का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो दान पेटी का ताला भी टूटा हुआ था। दानपेटी में रखी दान की नकद राशि गायब थी। चोरी की सूचना मिलते ही समाज के लोग मंदिर पहुंच गए। तत्काल सिविल लाइन थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और वारदात की जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आरोपियों से जुड़े साक्ष्य जुटाने के लिए पुलिस मंदिर परिसर जाने वालों रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में डीए, ओपीएस और स्वास्थ्य बीमा शामिल

प्रांत के आह्वान पर जिला सागर में कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को दिया ज्ञापन

- 11 सूत्रीय मांगों को लेकर तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

प्रवेश संवाद सागर

तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष गंधाली कदम ने बताया कि प्रांत के आह्वान पर तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ जिला सागर 11 सूत्रीय मांगों को लेकर 15 जनवरी 2026 को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा गया।

संघ की 11 सूत्रीय मांगः कर्मचारियों को केंद्र के समान केंद्रीय तिथि से महंगाई भत्ता जाए सभी कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दिया जाए नव नियुक्त कर्मचारियों को 70 80 90% वेतन देने के आदेश पर तत्काल रोक लगाया जाए शिक्षा विभाग एवं अनुसूचित जनजाति विभागों पर शिक्षकों को चतुर्थ क्रमोन्नति वेतनमान एवं समयमान शीघ्र दिया जाए ओल्ड पेंशन योजना लागू की जाए लिपिक संवर्ग को मंत्रालय के लिपिकों की भांति ग्रेड पे दिया जाए अनुकंपा नियुक्ति एवं चतुर्थ श्रेणी पदोन्नति पर सीपीसीटी के अनिवार्यता को खत्म किया जाए ई अटेंडेंस को तत्काल रोक लगाई जाए सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों को पी पी ओ एवं अन्य सभी स्वामित्व का भुगतान सेवानिवृत्ति दिनांक पर मिले वर्ष 1997 से नियुक्त गुरुजी संवर्ग को प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता की गणना का लाभ दिया जाए।

ये रहे शामिलः कार्यक्रम में मुख्य रूप से अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा जिला अध्यक्ष चूरामन रैकवार, शासकीय शिक्षक संगठन जिला अध्यक्ष आलोक गुप्ता, लिपिक संघ जिला अध्यक्ष नरेंद्र रैकवार, संभागीय अध्यक्ष बेनी प्रसाद प्रजापति,(छोटू बाबू) प्रांतीय सचिव प्रताप सिंह राजपूत, आज़ाक्स जिला अध्यक्ष गजेंद्र बोहत, लघु वेतन कर्मचारी संघ थानसिंह मंडल, शिवम पचौरी, राकेश द्विवेदी, विवेक अहिरवार, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ से सतीश चौधरी, यू एस रावत, अमित मिश्रा, लवी मैसी राजेश कुमार ढगे ,बृजेश लोधी,नरेश, शैलेन्द्र सिंग ठाकुर बंडा ब्लॉक सत्यनारायण राजपूत, खेमचंद राय एवं अन्य ऑफिस के कर्मचारी कमिश्नरी कार्यालय, कलेक्ट्रेट कार्यालय, जिला पशु चिकित्सा ,स्वास्थ्य विभाग ,शिक्षा विभाग तकनीकी विभाग ,राजस्व विभाग ,कृषि विभाग ,आदिम जाति कल्याण विभाग, भू अभिलेख ,आबकारी विभाग, नगर निगम आदि समस्त विभागों के सैकड़ो कर्मचारी उपस्थित थे।

युवा दिवसः शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में स्वास्थ्य शिविर संपन्न

प्रवेश संवाद सागर.

शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में युवा दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयुष विभाग के सहयोग से द्वि-दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता के मार्गदर्शन में 14 जनवरी को किया गया। शिविर के समापन दिवस 15 जनवरी को प्राचार्य डॉ. रंजना मिश्रा ने शिविर में पहुँचकर चिकित्सकों से भेंट की तथा राष्ट्रीय सेवा योजना, छात्र एवं छात्रा इकाई के अधिकारियों शिविर के सुचारू रूप से संचालन के लिए सहयोग संबंधी आवश्यक निर्देश दिये। शिविर में महाविद्यालय के स्टाफ, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों सहित 400 से अधिक लोगों ने पंजीयन कर स्वास्थ्य परीक्षण कराया। परीक्षण के साथ-साथ रोगियों को परामर्श एवं निःशुल्क औषधियों का वितरण भी किया गया। आयुष विभाग की ओर से शिविर प्रभारी डॉ. कीर्ति पटेल, चिकित्सा अधिकारी डॉ. माधुरी जैन एवं कम्पाउंडर बृजेन्द्र नामदेव, संगीता पाली एवं आशुतोष रावत की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. गोपा जैन, डॉ. संगीता मुखर्जी, डॉ. प्रतिभा जैन, राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अवधेश प्रताप सिंह, छात्रा इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिलाषा जैन, डॉ. रेनु सोलंकी, डॉ. राना कुंजर सिंह, सुरेन्द्र सिंह, तथा डॉ. रविन्द्र सिंह, देवकृष्ण नामदेव, लक्ष्मी मिश्रा, स्वयंसेवक अनुज मिश्रा, राज आर्यन, प्रिंस पटेल आदि का विशेष सहयोग रहा।

मकर संक्रांति कार्यक्रमः कुटुंब प्रबोधन व सामाजिक समरसता का संदेश

प्रवेश संवाद सागर. कुटुंब प्रबोधन की भावनाओं को जागृत करने के लिए एवं समाज में नव परिवर्तन लाने के लिए एवं सामाजिक समरसता का भाव जागने के लिए शिवाजी वार्ड सागर नगर में मातृशक्तियों द्वारा मकर संक्रांति का एवं हल्दी कुमकुम का कार्यक्रम मनाया गया। इसमें मुख्य अतिथि विशाखा देव (समाजसेविका), विशिष्ट अतिथि डॉ.निवेदिता रत्नाकर एवं डॉ.निकिता पिंपलापुरे थी कार्यक्रम की संयोजिका एकता मधुसूदन खेमरिया (सचिव भारत भारती संस्था) थीं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विशाखा देव जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हल्दी कुमकुम का कार्यक्रम कुटुंब की भावना को जागृत करता है एवं समरसता का संदेश समाज में जाता है एवं सब समाज का जुड़ाव होता है। कार्यक्रम संयोजिका एकता खेमरिया ने कहा यह कार्यक्रम हमारी प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। कार्यक्रम में अधिवक्ता वर्षा सिंह, मधु नायर, सीमा खेमरिया, श्वेता तिवारी, रोशनी अहिरवार आदि मातृशक्ति मौजूद रही।

थायरॉइड के लक्षणों पर आईएमए सागर का जागरूकता अभियान

प्रवेश संवाद सागर

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) सागर एवं स्वास्थ्य विभाग सागर के संयुक्त तत्वावधान में सीएचसी गड़ाकोटा में राष्ट्रीय थाइरोइड जागरूकता माह के अवसर पर शिविर का आयोजन किया गया। थायरॉइड जागरूकता माह आम जनता को यह समझाने का एक बेहतरीन प्रयास है कि थायरॉइड से संबंधित हार्मोनल समस्याएं कई तरह के लक्षण पैदा कर सकती हैं। शिविर में वरिष्ठ मेडिकल स्पेशलिस्ट डॉ. जितेन्द्र सर्राफ ने बताया कि अनुमानित तौर पर 4 करोड़ भारतीय थायरॉइड विकारों से प्रभावित हैं, जिनमें से कई मामलों का निदान नहीं हो पाता क्योंकि लक्षण अक्सर हल्के होते हैं या उन्हें तनाव या बढ़ती उम्र जैसी अन्य स्थितियों के लक्षण समझ लिया जाता है। थायरॉइड हार्मोन शरीर की सारी रासायनिक प्रक्रियाएँ नियंत्रित करता है, जो कोशिकाओं में लगातार होती हैं, जिससे भोजन ऊर्जा में बदलता है और शरीर के सभी कार्य (साँस लेना, हिलना-डुलना, बढ़ना, ठीक होना) संभव हो पाते हैं। इसमें भोजन को तोड़ना और नई चीजें बनाना शामिल है, जो जीवन और स्वस्थ रहने के लिए ज़रूरी है।

आईएमए अध्यक्ष डॉ. तल्हा साद ने बताया कि महिलाओं में पुरुषों की तुलना में थायरॉइड की समस्या होने की संभावना 5 से 8 गुना अधिक होती है, और लगभग 8 में से 1 महिला को अपने जीवनकाल में थायरॉइड की समस्या हो सकती है। उन्होंने बताया कि लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि थायरॉइड अतिसक्रिय (हाइपरथायरायडिज्म) है या अल्पसक्रिय (हाइपोथायरायडिज्म)।

हाइपोथायरायडिज्म (अल्पसक्रिय): लक्षणों में थकान, वजन बढ़ना, ठंड लगना, शुष्क त्वचा, बालों का झड़ना, अवसाद और अनियमित मासिक धर्म शामिल हो सकते हैं।

हाइपरथायरायडिज्म (अतिसक्रिय): लक्षणों में तेज़ हृदय गति, भूख बढ़ने के बावजूद वजन कम होना, चिंता, अनिद्रा और गर्मी के प्रति संवेदनशीलता शामिल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि साधारण रक्त परीक्षण (जैसे टीएसएच परीक्षण) के माध्यम से समय पर इसकी जांच की जा सकती है और निदान संभव है। इस अवसर पर बीएमओ डॉ. सुयश सिंघाई, डॉ. साक्षी सिंघाई, नर्सिंग स्टाफ, आशा कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में आमजन की सहभागिता ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

भारतीय थल सेना दिवस पर एनसीसी कैडेट्स की प्रेरणादायी साइकिल रैली

प्रवेश संवाद सागर

भारतीय थल सेना दिवस के पावन अवसर पर 33 मध्यप्रदेश एनसीसी बटालियन सागर के तत्वावधान में शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) सागर के एनसीसी कैडेट्स द्वारा एक भव्य एवं अनुशासित साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन तथा भारतीय सेना के प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ करना था। साइकिल रैली को संस्था के प्राचार्य अमरनाथ साकेत एवं प्रशिक्षण अधीक्षक लखनलाल अहिरवार द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने एनसीसी कैडेट्स के उत्साह, अनुशासन एवं देशसेवा के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।यह साइकिल रैली शासकीय संभागीय आईटीआई सागर परिसर से प्रारंभ होकर शास्त्री ब्रिज, खुरई रोड, भगवानगंज, शनि मंदिर, परेड मंदिर तथा जागर्स पार्क जैसे प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए 33 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी मकरोनिया, सागर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

रैली के दौरान कैडेट्स ने देशभक्ति के नारों के माध्यम से आम नागरिकों को भारतीय थल सेना दिवस के महत्व से अवगत कराया।रैली के समापन अवसर पर 33 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी सागर के कमान अधिकारी कर्नल आर. एस. राजीव, सेना मैडल, द्वारा कैडेट्स को संबोधित किया गया। उन्होंने भारतीय थल सेना दिवस के इतिहास एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिन भारतीय सेना के शौर्य, बलिदान एवं अनुशासन का प्रतीक है।

उन्होंने कैडेट्स को भारतीय सेना में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया तथा सेना की वर्दी के गौरव एवं उसके महत्व को विस्तार से समझाया। उनके प्रेरक संबोधन से कैडेट्स में देशसेवा के प्रति नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार हुआ। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट कर्नल अंशुमान शर्मा (प्रशासनिक अधिकारी), सूबेदार मेजर चम्पा साब, अरुण माड़ोतिया (पूर्व सैनिक एवं प्रशिक्षण अधिकारी) सहित समस्त एनसीसी अधिकारीगण, आईटीआई का स्टाफ एवं बड़ी संख्या में कैडेट्स उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में भारतीय सेना के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए राष्ट्र सेवा के संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। यह साइकिल रैली न केवल भारतीय थल सेना दिवस के महत्व को रेखांकित करने में सफल रही, बल्कि युवाओं को अनुशासन, एकता एवं देशभक्ति के मार्ग पर अग्रसर करने का एक प्रेरणादायी प्रयास भी सिद्ध हुई।

केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस पर व्याख्यान का आयोजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन मोहा

शिक्षा और मनुष्यता का गहरा नाता है: प्रो. विजय बहादुर सिंह

वि.वि. वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है: कुलपति

प्रवेश संवाद ◆ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के 'केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस' के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के 'अभिमंच सभागार' में अत्यंत उत्साह और गरिमापूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर 'शिक्षा, संस्कृति और समाज' विषय पर विशेष व्याख्यान और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और 'सरस्वती वंदना' के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रख्यात साहित्यकार और शिक्षाविद् प्रो. विजय बहादुर सिंह थे और अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन और कुलसचिव डॉ. सत्य प्रकाश उपाध्याय मंचासीन थे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव

डॉ. एस. पी. उपाध्याय ने स्वागत वक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय के केन्द्रीय बनने और उसके बाद की कई उपलब्धियों और यात्रा को साझा किया।

कुलपति प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर ने केंद्रीय विश्वविद्यालय बनने के गौरवशाली इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इन 16 वर्षों में विश्वविद्यालय ने आधारभूत संरचना से लेकर शोध के क्षेत्र में लंबी दूरी तय की है। कुलपति ने विश्वविद्यालय की एक बड़ी उपलब्धि साझा करते हुए गर्व से कहा कि आज हमारा विश्वविद्यालय वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। यह हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि इस विश्वविद्यालय के कई शिक्षक विश्व के शीर्ष 02 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हैं। उन्होंने इस सफलता का श्रेय शिक्षकों और शोधार्थियों की कड़ी मेहनत को दिया। हमें इस विश्वविद्यालय को और अधिक आगे ले जाना है।

मुख्य वक्ता के रूप में ऑनलाइन रूप से उपस्थित प्रख्यात साहित्यकार और शिक्षाविद प्रो. विजय बहादुर सिंह ने 'शिक्षा, संस्कृति और समाज' विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि शिक्षा वही है जो समाज को अपनी संस्कृति से जोड़े रखे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालय बनने के बाद इस संस्थान की जिम्मेदारी बुंदेलखंड की संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पटल पर ले जाने की ओर बढ़ गई है।

उन्होंने अपने छात्र जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए इस विश्वविद्यालय के उनके समय के शिक्षकों प्रो. डब्ल्यू डी. वेस्ट, आचार्य नन्द दुलारे बाजपेयी, प्रो. श्यामाचरण दुबे, प्रो. के. डी. बाजपेयी, प्रो. भवालकर का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय का मुझ पर ऋण है और यदि मैं इस विषय पर बोलते हुए कुछ नया सन्देश दे पाऊं तो मैं स्वयं को सार्थक समझूंगा। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त होने के बावजूद यह आवश्यक नहीं है कि वह संवेदनशील मनुष्य हो ही। कबीर ने कोई उपाधि नहीं ली थी लेकिन उनका सन्देश हम लोगों को बार-बार पढ़ना और समझना पड़ता है। प्रेमचंद के मंत्र कहानी के माध्यम से उन्होंने कहा कि मानवता सर्वश्रेष्ठ गुण है। भारत की ज्ञान परम्परा में लोक विरोधी ज्ञान को स्वीकृति नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का तभी मतलब है जब वह लोकोपकारी हो, लोगों के कल्याण के लिए हो, शिक्षा मनुष्यता सिखाती है। यदि हम संवेदना और मनुष्यता के साथ शिक्षा का सदुपयोग करेंगे तभी शिक्षा का उद्देश्य सिद्ध होगा।

छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां: व्याख्यान कार्यक्रम के उपरांत सभागार बुंदेली संस्कृति के रंगों में रंग गया। छात्रों ने पारंपरिक 'बुंदेली बधाई नृत्य' की ऊर्जावान प्रस्तुति दी, जिसने पूरे सभागार को तालियों की गड़गड़ाहट से भर दिया। इसके साथ ही मधुर बुंदेली गीतों की प्रस्तुति हुई, जिनमें 'नर्मदा मैया' की महिमा का गुणगान करने वाले भजनों और गीतों ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में प्रो. नवीन कांगो, डॉ. अवधेश तोमर ने सांगीतिक प्रस्तुति दी। डॉ. राकेश सोनी ने माउथ ऑर्गन का वादन कर सभागार को संगीतमय कर दिया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. शशि कुमार शिंह ने किया एवं आभार प्रो. चंदा बेन ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सुरक्षा अधिकारी प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. हिमांशु पाण्डेय, प्रो. अशोक अहिरवार, प्रो. सुनील सेन, प्रो. कालीनाथ झा, डॉ. मोहन टी. ए., डॉ. अलीम खान, डॉ. अनिल तिवारी, प्रो. एन. पी. सिंह, डॉ. राकेश सोनी, डॉ.हिमांशु, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. ममता तिवारी, डॉ. सी. पी. उपाध्याय, डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. प्रीती बाधवानी, वीरेन्द्र प्रधान सहित कई शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रोफेसर रमाकांत पांडेय ने किया विश्वविद्यालय को गौरवान्वित

प्रवेश संवाद ◆ सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्कृत विभाग के पूर्व छात्र प्रोफेसर रमाकांत पांडेय उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के कुलपति के रूप में नियुक्त हुए हैं। उत्तराखंड के राज्यपाल एवं उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रोफेसर पांडेय को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से आगामी 3 वर्ष के लिए कुलपति नियुक्त किया गया है। वर्तमान में प्रोफेसर पांडेय केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर के निदेशक हैं। इसके पूर्व वे भोपाल परिसर के भी निदेशक रहे हैं। प्रोफेसर पांडेय ने डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्कृत विभाग से पीएचडी तथा डी. लिट. उपाधियाँ प्राप्त की हैं। इसके पूर्व उनके शोध निर्देशक और संस्कृत विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर राधावल्लभ त्रिपाठी भी दिल्ली में कुलपति रह चुके हैं। इस अवसर पर विभाग के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने मिष्ठान्न वितरित कर प्रसन्नता व्यक्त की तथा प्रोफेसर पांडेय जी के सफल एवं यशस्वी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर राजेंद्र यादव ने कहा कि यह संस्कृत विभाग एवं विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। इस अवसर पर डॉ नौनिहाल गौतम, डॉ रामहेत गौतम, डॉ किरण आर्या, डॉ शशिकुमार सिंह एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

स्मृतिशेष: महेंद्र फुसकेले साहित्य अलंकरण समारोह 1 फरवरी को

प्रवेश संवाद ◆ सागर. स्मृतिशेष साहित्यकार महेंद्र फुसकेले के नाम पर प्रतिवर्ष दिए जाने वाले अलंकरण के लिए आयोजित बैठक में इस वर्ष वरिष्ठ कवि लक्ष्मी नारायण चौरसिया के लिए चुना गया है। साथ ही अन्य सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करने वाले व्यक्तियों में शिक्षा के लिए गुलजारीलाल जैन, स्वास्थ्य के लिए डॉक्टर महेंद्र जैन ,रक्तदान के लिए समीर जैन और रेलवे स्टेशन पर पेयजल व्यवस्था के लिए डॉ.विनोद तिवारी को भी महेंद्र फुसकेले जन सेवा अलंकरण से सम्मानित किया जाएगा। अलंकरण समारोह में प्रलेस द्वारा प्रकाशित स्मारिका का विमोचन भी किया जावेगा। अलंकरण समारोह आगामी 1 फरवरी को दोपहर एक बजे से स्थानीय सिविल लाइंस स्थित वरदान होटल सभागार में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी प्रगतिशील लेखक संघ सागर इकाई के महासचिव पेट्रिस फुसकेले ने दी।

जो असफलता से नहीं डरता वही मंजिल तक पहुंचता है: आकाश सिंह राजपूत

प्रवेश संवाद ◆ जैसीनगर

"खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि अनुशासन, टीमवर्क और आत्मविश्वास का प्रतीक है। सुरखी विधानसभा क्षेत्र में क्रिकेट महाकुंभ युवाओं के हुनर को एक मंच है जिसके माध्यम से वह अपना हुनर दिखाकर क्रिकेट की दुनिया में स्थान बना सकते हैं। मंत्री क्रिकेट महाकुंभ जैसे आयोजन युवाओं को नशे और भटकाव से दूर रखकर सकारात्मक दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। युवा शक्ति संगठन का संकल्प है कि हर गांव और हर युवा को खेल से जोड़कर सशक्त भारत की नींव रखी जाए। आप सभी खिलाड़ी मैदान में पूरे जोश, खेल भावना और अनुशासन के साथ खेलें यही सच्ची जीत है।" यह बात युवा शक्ति संगठन के जिला अध्यक्ष आकाश सिंह राजपूत ने जैसीनगर में मंत्री क्रिकेट महाकुंभ शुभारंभ के अवसर पर कही।

आकाश ने कहा कि युवा देश की तस्वीर और तकदीर बदल सकते हैं। सुरखी युवाओं में वह उर्जा है जो पूरे देश को प्रकाश देगी। हमारा प्रयास है कि ऐसे युवाओं को तरासे और उन्हें सही स्थान तक पहुंचाये। उन्होंने कहा कि हार से बिल्कुल न डरें, हार सफलता की सीढ़ी है जो आपको आपके लक्ष्य की ओर ले जाती है। जो असफलता से नहीं डरता वही मंजिल तक पहुंचता है। थॉमस अल्वा एडिसन भी कई बार असफल हुए तब उन्होंने बल्ब

की खोज की। एक दिन ऐसा आयेगा जब हमारे सुरखी विधानसभा क्षेत्र के खिलाड़ी म.प्र प्रीमियर लीग में खेलेंगें। उसी सपने की ओर युवा शक्ति संगठन का हरके कार्यकर्ता कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम का उद्घाटन जैसीनगर में युवा शक्ति संगठन के जिला अध्यक्ष आकाश सिंह राजपूत, मंत्री प्रतिनिधि शैलेंद्र सिंह राजपूत, किसान मोर्चा अध्यक्ष धीरज ठाकुर, डब्बू आठिया, धर्मेंद्र पटेल, सुनील ठाकुर एवं शिवदयाल बड़ोनिया द्वारा किया गया। शुभारंभ अवसर पर खेल प्रेमियों और युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। जैसीनगर में मंत्री क्रिकेट महाकुंभ का पहला मुकाबला रॉयल इलेवन बिछुआ एवं बजरंग जेरा के बीच खेला गया। टॉस जीतकर रॉयल इलेवन बिछुआ ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करते हुए बजरंग जेरा की टीम ने 3 विकेट खोकर 75 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल इलेवन बिछुआ ने 6 विकेट खोकर 76 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए अजय को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

दूसरा मुकाबला चैंपियन जैसीनगर एवं रियल स्टार जैसीनगर के बीच खेला गया। रियल स्टार जैसीनगर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 148 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में चैंपियन जैसीनगर की टीम दबाव में आकर 5 विकेट खोकर मात्र 45 रन ही बना सकी और रियल स्टार जैसीनगर ने 103 रनों से एकतरफा जीत दर्ज की। इस मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अनिमेष (रियल स्टार जैसीनगर) को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गयझं **युवा शक्ति संगठन में 500 युवाओं ने ली सदस्यता:** युवा शक्ति संगठन की विचारधारा से प्रभावित होकर 500 से अधिक लोगों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की, जो युवाओं के बीच संगठन की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। युवा शक्ति संगठन द्वारा आयोजित मंत्री क्रिकेट महाकुंभ निरंतर जारी है और क्षेत्र में खेलों के प्रति नई ऊर्जा का संचार कर रहा है।

जैसीनगर में मंत्री क्रिकेट महाकुंभ का हुआ भव्य शुभारंभ

8 टीमों के बीच हुआ कड़ा मुकाबला राहतगढ़ में चैके-छक्के की बरसात: मंत्री क्रिकेट महाकुंभ की इस सीरीज में राहतगढ़ स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल स्टेडियम में गुरूवार को चार रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मैच में ए.के. इलेविन क्रिकेट क्लब ने 5 विकेट पर 30 रन बनाए, जिसके जवाब में हम साथ-साथ क्रिकेट क्लब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 31 रन बनाकर 10 विकेट से मैच जीत लिया। इस मैच में अजीम को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

दूसरे मुकाबले में न्यू झंडा क्रिकेट क्लब ने 4 विकेट पर 40 रन बनाए, जवाब में अली इलेविन ने 39 रन 10 विकेट पर बनाए, जिसमें न्यू झंडा क्रिकेट क्लब ने मैच अपने नाम किया।

तीसरे मैच में राईन इलेविन ने 4 विकेट पर 129 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया, जबकि छोटा हसनपुर की टीम 55 रन पर सिमट गई। राईन इलेविन ने 74 रन से जीत दर्ज की और अनस प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

चौथा मुकाबला कारतूस इलेविन और एस.ए. क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया, जिसमें कारतूस इलेविन ने 68 रन बनाए। जवाब में एस.ए. क्रिकेट क्लब 67 रन 5 विकेट पर ही सिमट गया और कारतूस इलेविन ने 10 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इस मैच में क्रिस सिलावट प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

मुद्रक एवं प्रकाशक- सुरेंद्र सिंह राजपूत (पृथ्वी) द्वारा जयश्री नारायण प्रिंटिंग प्रेस विट्ठल भवन गुजराती बाजार सागर (म.प्र.) से मुद्रित, बैंक कॉलोनी, तिली रोड सागर से प्रकाशित। मो. नं. 9926459376
प्रबंध संपादक : अभिषेक पुरोहित, स्थानीय संपादक : शुभम श्रीवास्तवः आर.एन.आई. नंबरः MPHIN/2013/48637, समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। न्यायिक क्षेत्र सागर (म.प्र.) रहेगा।

ऐरण बनेगा विश्व पर्यटन स्थल, विरासत से विकास की उड़ान शुरू: उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल

ऐरण महोत्सव : ऐरण विश्व पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा जिससे रोजगार के अवसर मिलेंगे : डिप्टी सीएम शुक्ल

प्रवेश संवाद सागर

ऐरण विश्व पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा जिससे कि युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे एवं क्षेत्र समृद्ध बनेगा, विरासत से विकास की उड़ान भी शुरू होगी। उक्त विचार उपमुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सागर जिले के बीना में तीन दिवसीय ऐरण महोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। इस अवसर पर विधायक निर्मला सप्रे, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, श्याम तिवारी, गौरव सिरोठिया, अरुणोदय चौबे, अपर कलेक्टर अविनाश रावत, एसडीएम विजय डेहरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव उईके सहित अन्य जन प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में जन समुदाय मौजूद था।

उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने ऐरण महोत्सव में बोलते हुए कहा कि मध्य प्रदेश की सरकार मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में लगातार ऐतिहासिक स्थलों पर महोत्सव आयोजित कर उनकी गरिमा एवं पर्यटन को बढ़ाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में यह ऐरण विश्व पर्यटक स्थल के रूप में स्थापित होगा और यहां बड़ी संख्या में सैलानी एवं पर्यटक आएंगे उन्होंने कहा कि यहां बीना नदी के कारण यह स्थल और भी मनोरम है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक विष्णु भगवान की मूर्ति देखकर लगता है कि सैकड़ों हजारों वर्ष पूर्व भी यहां के कलाकार कितने कुशल एवं दक्ष होंगे, जिन्होंने इतनी अच्छी नक्काशी के माध्यम से उनको मूर्ति रूप दिया। उन्होंने कहा कि इतिहास परंपरा को आधुनिकता से जोड़ने का कार्य ऐरण महोत्सव करेगा। प्रभारी मंत्री शुक्ल ने कहा कि यह ऐरण महोत्सव के माध्यम से कला संस्कृति को जहां मंच मिल रहा है वहीं संस्कृति एवं इतिहास से सभी अवगत भी हो रहे हैं।

बीना विधायक निर्मला स्प्रे ने कहा कि ऐरण महोत्सव बीना सहित बुंदेलखंड एवं मध्य प्रदेश के गौरव का पुरातत्व स्थल है जिससे पूरे विश्व में सागर की पहचान स्थापित हुई है उन्होंने कहा कि 4 सितंबर 2024 को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वादा किया था आज मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा यह वादा पूरा किया गया है उन्होंने कहा कि ऐरण बुंदेलखंड सहित विश्व की धरोहर है।

उपमुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने ऐरण में बीना नदी में गंगा आरती की इस अवसर पर विधायक निर्मला स्प्रे, श्याम तिवारी, गौरव सिरोठिया, अरुणोदय चौबे सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद थे।

प्रभारी मंत्री ने किया सम्मानित: ऐरण महोत्सव के दौरान उपमुख्यमंत्री एवं प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने पुरातत्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी डॉक्टर मोहन चढ़ार एवं डॉ हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉक्टर नागेश दुबे को शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। 1700 वर्ष पुराने ऐरण के विष्णु भगवान के मंदिर एवं विभिन्न अवतारों की पुरातत्व विभाग के अधिकारी डा मोहन चढ़ार एवं डॉ नागेश दुबे ने विस्तार से जानकारी दी।

वैष्णों देवी जाने वाली यात्रा निरस्त: अब 31 को मां कामाख्या देवी जायेगी यात्रा

सागर. मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 31 जनवरी 2026 को वैष्णों देवी जाने वाली यात्रा अपरिहार्य कारणों से निरस्त की गई है। वैष्णोंदेवी जाने वाली तीर्थयात्रा अब मां कामाख्या देवी के लिए दिनांक 31 जनवरी को की जावेगी। मां कामाख्या देवी जाने के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 17 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। कलेक्टर संदीप जीआर ने उक्त के संबंध में आयुक्त नगर पालिक निगम सागर, अधिशासी अधिकारी छावनी मंडल जिला सागर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी / कार्यपालन जनपद पंचायत (समस्त), मुख्य नगर पलिका अधिकारी/नगर परिषद् (समस्त) को पत्र के माध्यम से निर्देशित किया कि तीर्थ यात्रियों के लिए माँ वैष्णोदेवी तीर्थ हेतु यात्रा प्रस्तावित की गई थी उक्त यात्रा अपरिहार्य कारणों से निरस्त की गई है। सागर जिले से 31 जनवरी 2026 से 5 फरवरी 2026 तक मॉ वैष्णोदेवी तीर्थ यात्रा के स्थान पर कामाख्या धाम हेतु यात्रा जाना प्रस्तावित होने से समस्त तीर्थयात्रियों को सूचित कर लिखित में सहमति प्राप्त कर कार्यालय को 17 जनवरी 2026 को सायं 5 बजे तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें।

बीएमसी की श्रुति शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जीता प्रथम पुरस्कार

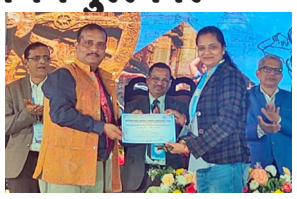

प्रवेश संवाद सागर. बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के अस्थि रोग विभाग के फिजियोथेरेपी विंग में कार्यरत श्रुति शर्मा ने संस्थान का गौरव बढ़ाते हुए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) भुवनेश्वर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मैनुअल थेरेपी कॉन्फ्रेंस 2026 में साइंटिफिक पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है।

मीडिया प्रभारी डॉ सौरभ जैन ने बताया कि स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (SVNIRTA), कटक द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में देश-विदेश के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया था। वर्तमान में बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में मरीजों के उच्च स्तरीय उपचार के साथ-साथ अनुसंधान एवं नवाचार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस दिशा में श्रुति शर्मा एवं अर्चना वर्मा द्वारा फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में लगातार शोध कार्य किए जा रहे हैं, जो चिकित्सा जगत में नए बदलाव ला रहे हैं।

उपलब्धि पर दी बधाई: इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर कॉलेज के डीन डॉ. पी.एस. ठाकुर, अधीक्षक डॉ. राजेश जैन और आर्थोपेडिक विभागाध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र चौबे ने विभाग के कार्यों की सराहना करते हुए श्रुति शर्मा को हार्दिक बधाई दी है।

31 जनवरी को होगा संत शिरोमणि सेन जी महाराज की मूर्ति का अनावरण

सागर. सागर में सेन शक्ति महा संगठन के द्वारा आयोजित भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर सम्मान समारोह सागर में आयोजित किया जा रहा है जिसमें से नाचरे अचलानंद जी महाराज जोधपुर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, सांसद लता वानखेड़े, पूर्व मंत्री-विधायक भूपेंद्र सिंह ठाकुर, विधायकगण और जनप्रतिनिधि को आमंत्रित किया गया है। गुरूवार को सेन समाज का प्रतिनिधि मंडल सागर नगर निगम महापौर के निवास पर पहुंचकर उनका आमंत्रण पत्र दिया इस अवसर पर महापौर संगीता सुशील तिवारी ने कहा कि पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत सागर में संत शिरोमणि सेन जी महाराज जी के नाम पर चौराहा घोषित कर दिया गया है एवं मूर्ति की स्थापना 31 जनवरी को समाज के हजारों लोगों की उपस्थिति में कार्यक्रम में की जाएगी।

अभिराज सिंह ने महापौर संगीता तिवारी व डॉ. सुशील तिवारी को सौंपा निमंत्रण पत्र

प्रवेश संवाद सागर.

अविराज सिंह ने महापौर से भेंटकर भगवान हनुमान जी प्रतिमा प्राण-प्रतिष्ठा समारोह एवं सप्तदिवसीय श्रीरामकथा के शुभ आयोजन का आमंत्रण पत्र दिया' पूर्व गृहमंत्री एवं खुरई विधायक भूपेंद्र सिंह जी के सुपुत्र अभिराज सिंह जी ने गोपालगंज स्थित महापौर निवास पर आकर, महापौर संगीता सुशील तिवारी जी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ सुशील तिवारी जी से भेंट की तथा उन्हें भगवान हनुमान जी प्रतिमा प्राण-प्रतिष्ठा समारोह एवं सप्तदिवसीय श्रीरामकथा के शुभ आयोजन का आमंत्रण पत्र भेंट किया।

इस अवसर पर महापौर संगीता सुशील तिवारी जी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ सुशील तिवारी जी ने आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त करते हुए, आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं तथा इस कार्यक्रम को श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने वाला पावन आयोजन बताया। इस दौरान एमआईसी शैलेन्द्र ठाकुर ,श्री रिशांक तिवारी जी, सूर्यांश तिवारी जी, शुभम नामदेव जी ,श्री नमन चौबे जी ,श्री प्रशस्त तिवारी जी आदि साथ में उपस्थित रहे।

सांसद संवाद केंद्र में डॉ. लता वानखेड़े ने सुनीं जनसमस्याएं: पेयजल, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी शिकायतों पर दिए त्वरित निर्देश

प्रवेश संवाद सागर

सांसद डॉ. लता गुड्डू वानखेड़े आज सांसद संवाद केंद्र में बैठकर क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनी है इस दौरान, पेयजल, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतें सामने आईं। सांसद ने समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कई मामलों में उन्होंने पत्राचार के साथ-साथ दूरभाष के माध्यम से भी अधिकारियों से चर्चा कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर मकर संक्रांति के पावन पर्व पर उन्होंने क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख-समृद्धि और खुशहाल जीवन की कामना की। जनसंवाद के दौरान सनातन सद्भाव संगठन के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने सांसद डॉ. लता गुड्डू वानखेड़े को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ऐतिहासिक और पवित्र "वंदे मातरम्" गीत को भारतीय संविधान में विशिष्ट प्रावधान के माध्यम से औपचारिक रूप से राष्ट्रीय गीत के रूप में शामिल कराए जाने का निवेदन किया।

संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यह कदम स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदानों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगा तथा आने वाली पीढ़ियों में देशभक्ति की भावना को और सुदृढ़ करेगा। इसके अतिरिक्त लोकसभा क्षेत्र की विभिन्न विधानसभाओं से आए नागरिकों ने अपनी-अपनी समस्याओं से सांसद को अवगत कराया। सांसद ने यथासंभव समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कई प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए।

इस दौरान आत्मीय माहौल भी देखने को मिला, जब यह जानकारी सामने आई कि उपस्थित आशालता सिलाकारी का आज जन्मदिन है तो सांसद डॉ. वानखेड़े ने स्नेहपूर्वक उन्हें केक खिलाया और सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं के साथ उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की।

इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष हरिराम सिंह ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष नामदेव, आशालता सिलाकारी, पार्षद विनोद तिवारी, विक्की विजय गौतम, नरेश यादव, देवेंद्र फुसकेले, एड. रोशन कुर्मी, निकेश गुप्ता, मनीष नेमा, नगर पालिका मकरोनिया अध्यक्ष मिहीलाल अहिरवार, बलवंत सिंह ठाकुर, धमेनद्र पटेल, जयंती मौर्य, मोनिका प्रजापति, सोनिया सराफ, दीपिका मालवीय, सुशील साहू, प्रेमचंद बड़कुल, सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

संकल्प से समाधान अभियान में नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन के शत प्रतिशत प्रकरणों का हो निराकरण

प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए किसानों को करें जागरूक : सुचारी

- संभागायुक्त ने की विभागीय समीक्षा, समयावधि में प्रगति लाने दिए निर्देश

प्रवेश संवाद सागर

जिले में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा इसे अपनाने के लिए किसानों को जागरूक करने सहित सभी कृषि योजनाओं का लाभ अनिवार्य रूप से प्रदान किया जाए। प्रत्येक माह स्वास्थ्य एवं पोषण समिति की बैठक भी आयोजित करें। संकल्प से समाधान अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कर समस्त पात्र हितग्राहियों को 16 विभागों की चिन्हांकित योजनाओं से लाभांवित करें। इसके लिए जनप्रतिधियों के साथ अनिवार्य रूप से बैठक का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही इस अभियान में सामाजिक संगठनों को भी जोड़ें। उक्ताशय के निर्देश कमिश्नर सागर संभाग अनिल सुचारी ने गुरूवार को कलेक्टर कार्यालय के सभागार में आयोजित बैठक में दिए।

संभागायुक्त ने कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के बिन्दुओं पर विभागवार प्रगति की समीक्षा कर 5 दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए।

बैठक में सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों और कार्रवाई की जानकारी भी ली गई। कमिश्नर ने सोशल मीडिया में प्रसारित भ्रामक खबरों के तत्काल खण्डन, विधानसभा स्तर पर वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष की स्थापना सहित संकल्प से समाधान अभियान के दौरान जरूरतमंदों के लिए आंख के चश्मे, दिव्यांग हितग्राहियों को उपकरणों के वितरण सहित हार्ट ऑपरेशन के लिए मरीजों का चिन्हांकन करने सहित इस महत्वाकांक्षी अभियान में नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन के शत-प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण के लिए निर्देशित किया। इसके अलावा नगरीय निकायों द्वारा भवन एवं अनुज्ञा प्रमाण पत्र वितरण की अविलंब कार्रवाई करने तथा प्रतिदिन अवगत कराने, पानी टंकियों की हर माह साफ-सफाई, अनफिट बसों के संचालन पर रोकथाम तथा कानून व्यवस्था नियंत्रण के तहत अधिकाधिक कार्रवाई एवं हेल्थ कैम्प लगाने के निर्देश भी दिए। इस दौरान गत 12 जनवरी से आरंभ हुए संकल्प से समाधान अभियान में 4 दिवस के दौरान ऑनबोर्ड आवेदन और ग्राम पंचायतवार दल के गठन की जानकारी लेकर अतिरिक्त रूप से गैर अधिसूचित विभागीय सेवाओं का लाभ भी आवेदकों को प्रदान कर अनिवार्य रूप से डाटा एंट्री के लिए भी निर्देशित किया गया।

पराली जलाने वाले किसानों के विरूद्ध करें कार्रवाई

कमिश्नर सुचारी ने कहा कि जिले में निरंतर रूप से खाद के सुचारू वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। किसानों को पराली जलाने के नुकसान के बारे में जागरूक करें। बार-बार लापरवाही बरतने वाले किसानों के विरूद्ध प्रकरण भी तैयार किया जाए। शत-प्रतिशत पात्र किसानों को समय सीमा में ड्रिप-स्प्रिंकलर सेट प्रदान करने के लिए भी कहा। संभागायुक्त ने उद्यानिकी विभाग अंतर्गत विकासखण्डवार क्लस्टर गठन और कार्ययोजना के बारे में पूछा तथा लक्ष्य मुताबिक अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। इसी तरह पशुपालन एवं डेयरी विभाग अंतर्गत विभागीय योजनाओं में वांछित प्रगति के लिए भी उन्होंने निर्देशित किया। बैठक में जिले के पोषण पुनर्वास केन्द्रों में कुपोषित बच्चों के बेहतर उपचार के संबंध में निर्देश देते हुए एक बगिया मां के नाम योजना, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, गर्भवती माताओं के आवश्यक जांच के लिए समय पर पंजीयन, स्वास्थ्य संस्थाओं से मरीजों के सक्सेसफुल डिस्चार्ज के लिए आवश्यक प्रयास, आयुष्मान कार्ड इत्यादि की अद्यतन प्रगति के संबंध में भी समीक्षा कर निरंतर रूप से बेहतर स्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

ब्याज सब्सिडी स्कीम का प्रदान करें लाभ: कमिश्नर

कमिश्नर ने समीक्षा बैठक में जिला कौशल विकास समिति की हर माह समीक्षा बैठक आयोजित करने, नगरीय क्षेत्रों में संशोधित समय-सारणी अनुसार पट्टा वितरण की कार्यवाही, होमलोन की ब्याज सब्सिडी स्कीम के लाभ के लिए नगरीय निकायों से अनुज्ञा प्राप्त करने के दौरान ही आवेदकों को इस संबंध में अवगत कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राशि का दुरूपयोग करने वाले हितग्राहियों के विरूद्ध आरआरसी जारी करने तथा नगरीय निकायों द्वारा स्वच्छता में बेहतर कार्य के लिए निर्देशित किया। इसके अलावा पीपीपी मोड में बनने वाले गीता भवन के लिए नगरीय निकायों में जमीन के चिन्हांकन, अमृत योजना तथा पीएम स्वनिधि की प्रगति एवं प्रस्तावित श्वान आश्रय स्थल सहित फॉर्मर रजिस्ट्री व स्वामित्व योजना के शेष कार्यों में प्रगति लाने तथा लंबित भू-अर्जन मामलों के निराकरण के निर्देश भी दिए गए। कमिश्नर सुचारी ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण, मिशन कर्मयोगी अंतर्गत शासकीय सेवकों द्वारा प्राप्त किए गए आईगॉट प्रशिक्षण, स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत नामांकन एवं प्रवेश के संबंध में 45 विद्यालयों का मैपिंग कार्य शीघ्र पूर्ण करने, जनशिक्षक द्वारा सतत भ्रमण सहित बालिका शौचालयों के नए निर्माण व मरम्मत तथा शिक्षकों द्वारा टेबलेट क्रय एवं उपयोग की जानकारी भी ली गई।

10वां सशस्त्र सेना वेटरन्स दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित

प्रवेश संवाद सागर.

10वां सशस्त्र सेना वेटरन्स दिवस (14 जनवरी) के अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों ने हर्षोल्लास के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सागर कैप्टन (नौसेना) यूपीएस भदौरिया (से. नि.) ने बताया कि वेटरन्स दिवस प्रत्येक वर्ष 14 जनवरी को पूर्व सैनिकों के योगदान को स्मरण करने एवं उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। उन्होंने उल्लेख किया कि 14 जनवरी 1953 को भारतीय सेना के प्रथम भारतीय सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल के. एम. करिअप्पा सेवानिवृत्त हुए थे, इसी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है।

समारोह का शुभारंभ सागर जिले के उन 09 वीर योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर किए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि संयुक्त कलेक्टर सागर श्रीमती राजनंदनी शर्मा रहीं। उन्होंने वीर नारियों, युद्ध दिव्यांग पूर्व सैनिकों, योद्धा पूर्व सैनिकों एवं वरिष्ठ पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया।

अपने संबोधन में श्रीमती शर्मा ने कहा कि आज भारतीय सशस्त्र बल विश्व के सर्वश्रेष्ठ एवं सबसे पेशेवर बलों में गिने जाते हैं। यह गौरवपूर्ण पहचान पूर्व सैनिकों के बलिदान, अदम्य साहस एवं कठिन परिश्रम का परिणाम है। वेटरन्स दिवस हमारे बहादुर योद्धाओं को स्मरण करने एवं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक विशेष अवसर है।

इमाम के निधन पर शोक व्यक्त किया

प्रवेश संवाद सागर. विगत दिवस एकता समिति कार्यालय में एक शोक सभा का आयोजन कर दिवंगत मौलाना मुतिय उर रहमान पेश इमाम जामा मस्जिद कटरा सागर के निधन पर उन्हें खिराज ए अकीदत (श्रद्धांजलि) अर्पित की। समिति सदस्य मोहम्मद निजाम भाई ने पेश इमाम साहब के बारे में श्रोताओं को विस्तार से उनकी जीवनी के बारे में बताया कि वो बड़े ही नेक दिल इंसान थे। भलाई के काम भी करते और सबको ऐसा करने की प्रेरणा देते। सभी धर्मों का समाज के हर वर्ग के व्यक्ति को समान आदर देते धर्म अनुसार आचरण करने की सीख देते। इसी कारण उनकी अंतिम यात्रा में सभी वर्गों के लोग शामिल थे। जिसे सुनकर सभी भाव विभोर हो गए। समिति कोषाध्यक्ष निलेश समैया ने अपने संस्मरणों में पेश इमाम साहब के बारे में बताया कि वो अत्यंत सरल स्वभाव के धनी थे इतना ज्ञान वान होने के बावजूद अहंकार उनको छू कर भी नहीं गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग का 151 वां स्थापना दिवस मनाया

प्रवेश संवाद सागर.

मौसम विज्ञान कार्यालय, सिविल लाइन्स, सागर ने भारत मौसम विज्ञान विभाग का 151वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत (इ एल सी, स्कूल के शिक्षकों एवम छात्रों के साथ की गयी। मौसम कार्यालय सागर से सु पूजा यादव, आशीष सिन्हा, अमन मिश्रा एवं महेंद्र प्रताप सिंह ने क्विज कम्पटीशन कराया एवं छात्रों को पुरस्कार दिए।

इस अवसर पर छात्रों को मौसम विज्ञान कार्यालय, सिविल लाइन्स, सागर द्वारा दी जाने वाली मौसम विज्ञान सेवाओं और प्राकृतिक आपदा प्रबंधन और रोकथाम में भारत मौसम विज्ञान विभाग की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके अलावा, छात्रों को मौसम विज्ञान सेवाओं, सैटेलाइट मौसम विज्ञान सेवाओं और मौसम पूर्वानुमान का सामान्य अवलोकन भी दिया गया। तत्पश्यात छात्रों को थर्मामीटर, बैरोमीटर, रेन-गेज, और स्वचालित उपकरणों – थर्मोग्राफ, हाइग्रोग्राफ और अन्य मौसम विज्ञान उपकरणों का ऑन-साइट अनुभव दिया गया।इसके अलावा स्कूल एवं विभिन्न कॉलेज से आए छात्रों को आधुनिक इंस्ट्रूमेंट्स(स्काई रेडियोमीटर, ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग इंस्ट्रूमेंट, आटोमेटिक वेदर सेंसर एवं लाइटनिंग सेंसर) के बारे में जानकारी दी गयी एवं इसकी आधुनिक उपयोगिता के बारे में बताया गया। इसके बाद, मौसम विज्ञान कार्यालय, सागर के प्रभारी अधिकारी (विवेक छलोत्रे, मौसम विज्ञानी-ए) ने सभी उपस्थित शिक्षकों और छात्रों को धन्यवाद दिया।

सेना का साहस सैनिक की दृढ़ इच्छा शक्ति एवं अनुशासन पर निर्भर करता है: मेजर गजराज सिंह

प्रवेश संवाद सागर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय सागर में सेना दिवस पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया जिसमें एन सीसी की 7 गर्ल्स एवं 11 बॉयज यूनिट ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मेजर गजराज सिंह ने विद्यार्थियों को सेना दिवस के अवसर पर बताया कि भारतीय सेना फोर डी पर काम करती है जिसमें डिसिप्लिन ,डेडीकेशन, डिटरमिनेशन और डिवोशन शामिल है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण अनुशासन है अनुशासन का मतलब होता है स्वयं पर शासन

करना अर्थात् हम अपनी कर्मेंद्रों पर यदि शासन करते हैं तो फिर हम अनुशासन का ही पालन कर रहे होते हैं। विद्यार्थीयो का क्या करे और क्या न करे पर फोकस होना चाहिए। सेना का साहस सैनिक की दृढ़ इच्छा शक्ति एवं अनुशासन पर निर्भर करता है। विद्यार्थियों को आगाह करते हुए कहा कि मोबाइल पर क्या देखना है और क्या नहीं देखना है यह मोबाइल डिसाइड नहीं करेगा इसका निर्णय हमें खुद लेना पड़ेगा कि हमें क्या देखना है और क्या नहीं देखना है। जो विद्यार्थी नसमय की कीमत करता है भविष्य में समय उसकी भी कीमत करता है।स्वागत भाषण देते हुए डॉ अमर कुमार जैन वरिष्ठ प्राध्यापक ने विद्यार्थियों से कहा कि थल सेना दिवस लेफ्टिनेंट जनरल करियप्पा जो बाद में भारत के पहले फील्ड मार्शल बने के द्वारा भारतीय थल सेना के शीर्ष कमांडर का पदभार ग्रहण करने के उपलक्ष में मनाया जाता है। आपने अंग्रेजी शीर्ष कमांडर जनरल राय फ्रांसिस बूचर से यह पदभार ग्रहण किया था और जिस दिन पदभार ग्रहण किया था उस दिन 15 जनवरी थी। आपने भारतीय सेना के स्वतंत्रता की पश्चात किए गए शौर्य गाथा का वर्णन विद्यार्थियों से किया तथा पीओके के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। सेना जब रात को जागकर देश की सीमाओं की रक्षा करते है तब देशवासी सुखद नींद लेते हैं। सेना का गौरव एवं सम्मान सर्वोच्च है। प्रभारी प्रचार डॉ रंजन मिश्रा ने अध्यक्षता करते हुए कहा की भारतीय सेना विश्व में गौरवशाली स्थान रखती है हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने दिल में सेना के प्रति सम्मान का भाव रखें। व्याख्यान उपरांत महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ रंजना मिश्रा डॉ गोपा जैन, लेफ्टिनेंट कीर्ति रैकवार ने मेजर गजराज सिंह को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया।

विगत वर्ष में सार्जेंट नन्नीबाई लोधी, सीनियर अंडर ऑफिसर सुजाता सेन,लांस कॉरपोरल देववती गौड़, क्रेडिट आशा अहिरवार तथा रिया कोरी सहित15 कैडेट को मेजर गजराज सिंह ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार लेफ्टिनेंट कीर्ति रैकवार ने किया।

www.bundelihalchal.com
छतरपुर
प्रवेश संवाद
चुप न रहें संवाद करें
#Digital Edition
डिजीटल मीडिया पार्टनर
बुन्देली halchal.com
सागर, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं, सप्ताह में एक-दो दिन ही खुल रहे केंद्र

ग्रामीण अंचलों में उप-स्वास्थ्य केंद्रों पर सीएचओ की लापरवाही, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा इलाज

टिंकू गोस्वामी घुवारा
9893117472

ग्रामीण अंचलों पर स्थित उपस्वास्थ्य केंद्र सीएचओ तैनात है जहां इनकी जिम्मेदारी ऑनलाइन टेलीमेडिकल इलाज के साथ साथ ओपीडी की जिम्मेदारी है मगर अधिकांश केंद्रों पर ये सीएचओ नहीं पहुंच रहे हैं। सीएचओ के केंद्र पर नहीं पहुंचने पर कई सरपंच और पंचायतों ने लिखित में शिकायत भी की है मगर फिर भी विभाग इन सीएचओ पर कार्यवाही नहीं कर रहा है। गांवों में जुकाम-बुखार जैसी सामान्य बीमारियों के इलाज के लिए भी ग्रामीणों को नजदीकी प्राथमिक और सीएससी केंद्र पहुंच रहे हैं।

स्वास्थ्य केंद्र पर स्टाफ की मनमानी

केंद्र नियमित संचालन न होने की सबसे बड़ी वजह उप-स्वास्थ्य केंद्रों पर डॉक्टर और स्टाफ की मनमानी है। आपको बता दे कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुवारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बमनोरा कलां एवं भगवां के अंतर्गत 20 उप-स्वास्थ्य केंद्र है सभी केंद्रों पर सीएचओ की पोस्टिंग की गई है। लेकिन इनकी पोस्टिंग भर है केंद्रों का महीनों एवं सप्ताह में एक या दो बार ही जाते है इसके बाद मीटिंग या अन्य कामों का हवाला देकर अपने अपने केंद्रों से गायब रहते है। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में जो उप-स्वास्थ्य केंद्र बनाए है वहां एक सीएचओ एक एएनएम व गांव की ही आशा कार्यकर्ता प्रतिदिन अपना केंद्र खोल कर ग्रामीणों को सर्दी खासी,बुखार एवं अन्य छोटी छोटी बीमारियों का इलाज किया जा सके।

नहीं मिल रहा योजनाओं का लाभ

केंद्रों पर शासन के द्वारा हजारों की मासिक दवाइयां भेजी जाती है लेकिन यह दवाएं एक्सपायरी होकर नाली में फेंक दी जाती है। अगर सीएचओ एवं एएनएम और आशा कार्यकर्ता अगर सही समय तक केंद्रों पर बैठे तो निश्चित ही गरीब बीमार मरीजों को इलाज मिल सकता है। हाल में मीडिया द्वारा घुवारा से नजदीक ग्राम कुटोरा में जाकर उप-स्वास्थ्य केंद्र का जायजा लिया तो ग्रामीणों ने बताया कि यहां सप्ताह में एकाद बार खोला जाता है यहां केबल अधिकारी कर्मचारी अपनी उपस्थिति दर्ज करने आते है।

केंद्रों में ताले, लोगों की सेहत से खिलवाड़

उप-स्वास्थ्य केंद्र कुटोरा में सीएचओ शीतल मंडलोई पदस्थ हैं सप्ताह में एक दिन जाती है और बाकी ताला लगा रहता हैं और न ही स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कोई गंभीरता दिखाई देती है। जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि उप-स्वास्थ्य केंद्रों पर सीएचओ को नियमित रूप से उपस्थित रहना है। विकासखंड बड़ामलहरा के कुटौरा गांव स्थित उप-स्वास्थ्य केंद्र की बंद रहता है। गांव के सौरभ यादव,गोकल आदि वासी, छोटू घोसी, मनप्यारे अहिरवार ने आरोप लगाया है कि,सीएचओ शीतल मंडलोई पदस्थ लेकिन सप्ताह में एक दिन आती हैं। सभी उप-स्वास्थ्य केंद्रों का है। रोजाना लापरवाही बरती जा रही है, लेकिन अधिकारियों से तालमेल के चलते जिम्मेदारों पर कोई कार्रवाई नहीं होती। ग्रामीणों की सेहत के साथ खुला खिलवाड़ किया जा रहा।

इस माह की उपस्थिति देखकर भुगतान होगा

इस तरह से अगर उप-स्वास्थ्य केंद्र नही खोले जा रहे है तो निश्चित ही गलत है में अभी बीएमओ बड़ामलहरा से बात करता हूं। साथ ही सारक्षक ऐप पर उपस्थित दर्ज होती है इस माह में उपस्थिति देख कर वेतन भुगतान किया जाएगा साथ ही नोटिस जारी करवाता हूं। -**आरपी गुप्ता,** सीएमएचओ, छतरपुर

धसान नदी के बीच सजा सिद्धन का मेला, शिव भक्ति में डूबा अंचल

- **पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा, सिद्धन का एक दिवसीय मेला**

भगवां । मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले की ग्राम पंचायत भगवां से लगभग छह किलोमीटर की दूरी पर स्थित सिद्धन का मेला वर्षों से श्रद्धा, विश्वास और परंपरा का जीवंत प्रतीक बना हुआ है।हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मकर संक्रांति के पावन पर्व पर यहां एक दिवसीय मेले का आयोजन हुआ, जिसने पूरे क्षेत्र को भक्ति और उल्लास से सराबोर कर दिया। इस मेले की सबसे बड़ी और अनोखी विशेषता यह है कि इसका आयोजन धसान नदी के ठीक बीचों-बीच किया जाता है। चारों ओर प्रवाहित होती नदी की धाराओं के मध्य स्थापित भगवान शिव का विशाल और प्राचीन मंदिर मानो स्वयं इस मेले की आत्मा हो। श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास है कि चाहे नदी कितनी भी उफान पर क्यों न हो, चाहे बारिश कितनी भी भीषण क्यों न हो, भोलेनाथ की कृपा से यह मंदिर और यह मेला सदैव सुरक्षित रहता है। यही कारण है कि सिद्धन का यह स्थल आस्था का मजबूत केंद्र बन चुका है। मकर संक्रांति की सुबह से ही श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। दूर-दराज के गांवों से माताएं, बहनें, बुजुर्ग,युवा और बच्चे बड़ी संख्या में सिद्धत पहुंचे।श्रद्धालुओं ने पहले धसान नदी में आस्था की डुबकी लगाई, फिर भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से पूरा क्षेत्र शिवमय हो उठा। यह मेला केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है,बल्कि ग्रामीण संस्कृति और सामाजिक एकता का सशक्त उदाहरण भी है। मेले में पारंपरिक दुकानों,घरेलू उपयोग की वस्तुओं,खिलौनों और खान-पान के स्टॉलों ने ग्रामीण जीवन की सादगी और आत्मीयता को दर्शाया।बच्चों की खिलखिलाहट और महिलाओं की भक्ति-भाव से भरी आंखें इस मेले की सुंदरता को और बढ़ा देती हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार सिद्धन का यह मेला कई दशकों से लगातार आयोजित होता आ रहा है और हर वर्ष मकर संक्रांति के दिन ही इसे लगाया जाता है। पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही इस परंपरा ने लोगों के विश्वास को और मजबूत किया है।बुजुर्ग बताते हैं कि उन्होंने अपने बचपन से ही इस मेले को उसी श्रद्धा और उल्लास के साथ लगते देखा है,जैसा आज भी देखने को मिलता है।धसान नदी के बीच स्थित शिव मंदिर को लेकर कई लोककथाएं और जनविश्वास प्रचलित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नदी में जब कभी तेज बहाव आता है,तब भी मंदिर को कोई क्षति नहीं पहुंचती।लोग इसे भगवान शिव की विशेष कृपा मानते हैं।यही विश्वास श्रद्धालुओं को बार-बार यहां खींच लाता है। मेले के दौरान शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन और ग्रामवासियों का सहयोग सराहनीय रहा।स्वयंसेवकों और ग्रामीणों ने मिलकर श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखा, जिससे मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या दुर्घटना की सूचना नहीं मिली। सिद्धन का मेला यह संदेश देता है कि जब आस्था सच्ची होती है, तो प्रकृति भी उसके आगे नतमस्तक हो जाती है।धसान नदी की धाराओं के बीच खड़ा शिव मंदिर और उसके चारों ओर उमड़ती श्रद्धा,आज भी सनातन परंपराओं की मजबूती को दर्शाती है। यह मेला न केवल एक धार्मिक आयोजन है,बल्कि ग्रामीण जीवन की आत्मा, संस्कृति और सामूहिक विश्वास का उत्सव भी है निस्संदेह, सिद्धन का यह एक दिवसीय मेला आने वाली पीढ़ियों के लिए भी आस्था और संस्कृति की अमूल्य धरोहर बना रहेगा और हर वर्ष मकर संक्रांति पर श्रद्धालुओं को शिव कृपा के इस अद्भुत संगम का साक्षी बनाता रहेगा।

अमृत भारत योजना के तहत हो रहा व्यापक विकास : स्थानीय लोगों ने उठाई अतिरिक्त शौचालय व जीआरपी पुलिस तैनाती की मांग

हरपालपुर रेलवे स्टेशन पर बढ़ेंगी सुविधाएं

शिवम सोनी छतरपुर

छतरपुर जिले के यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। रेल मंत्रालय की महत्वाकांक्षी अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत हरपालपुर रेलवे स्टेशन का व्यापक कायाकल्प किया जा रहा है। वर्षों पुराना, अंग्रेजी शासनकाल में बना यह स्टेशन अब आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होकर नए स्वरूप में नजर आने लगा है। स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य तेज गति से प्रगति पर हैं, जिससे इसकी बदली हुई तस्वीर स्थानीय लोगों और यात्रियों को खासा आकर्षित कर रही है। लोग स्टेशन परिसर पहुंचकर विकास कार्यों को देख रहे हैं और सोशल मीडिया पर तस्वीरें व वीडियो साझा कर रहे हैं।

रेल मंत्रालय के निर्देश पर उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल के अंतर्गत आने वाले हरपालपुर रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल किया गया है। झांसी मंडल के कुल 16 स्टेशनों का चयन इस योजना के तहत किया गया है, जिनमें हरपालपुर एक प्रमुख स्टेशन है। योजना के पूर्ण होने के बाद यात्रियों को यहां सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा।

सुव्यवस्थित यातायात और सौंदर्यीकरण पर फोकस, आधुनिक सुविधाओं से बदलेगा क्षेत्र का स्वरूप

योजना के अंतर्गत स्टेशन के फसाड (मुख्य ढांचे) में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। प्रवेश द्वार को चौड़ा किया जा रहा है, हाई मास्क लाइटें और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था स्थापित की जा रही है। वेटिंग हॉल का विस्तार किया जा रहा है तथा अनुपयोगी स्थानों को जोड़कर एग्जीक्यूटिव लाउंज विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही स्टेशन परिसर में बेहतर साइनेंज व्यवस्था, पैदल यात्रियों के लिए अलग रास्ता, वाहनों के सुचारू प्रवेश-निकास की सुविधा, पर्याप्त पार्किंग, लैंडस्केपिंग, हरियाली और स्थानीय कला-संस्कृति को बढ़ावा देने वाले कार्य भी शामिल हैं। कुल मिलाकर हरपालपुर रेलवे स्टेशन आने वाले दिनों में एक आधुनिक, सुंदर और यात्री-अनुकूल स्टेशन के रूप में अपनी नई पहचान बनाने जा रहा है।

हालांकि विकास कार्यों के बीच स्थानीय लोगों ने कुछ कमियों की ओर भी ध्यान दिलाया है और जिम्मेदारों से सुधार की मांग की है। स्टेशन परिसर का निरीक्षण करने वाले स्थानीय नागरिकों अरुण कुमार पाठक, प्रमोद कनकने, कन्हैया लाल गुप्ता, सूरज चौरसिया और अरविंद दीक्षित सहित अन्य लोगों ने रेल प्रशासन को अवगत कराया कि स्टेशन बहुत पुराना है और विकास कार्य सराहनीय हैं, लेकिन कहीं-कहीं ठेकेदारों की लापरवाही भी स्पष्ट नजर आती है। उनका कहना है कि बरसात के समय स्टेशन परिसर में पानी टपकता है, जिससे निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़े होते हैं और शासन की योजनाओं पर प्रश्नचिह्न लगता है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि स्टेशन परिसर लगभग एक किलोमीटर लंबा है, लेकिन इसके अंदर केवल एक ही सुलभ शौचालय है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने एक अतिरिक्त सुलभ शौचालय बनाए जाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरे तो लगाए गए हैं, लेकिन जीआरपी पुलिस कर्मियों की स्थायी तैनाती नहीं है। इसके अभाव में चोरी, लूट और शराबखोरी जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। स्थानीय नागरिकों ने यह भी याद दिलाया कि इस स्टेशन से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी जैसे दिग्गज नेताओं ने यात्रा की है। वहीं रैक प्वाइंट हटने से मजदूरों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। इन सभी मुद्दों को लेकर स्थानीय लोगों ने डीआरएम से मांग की है कि विकास के साथ-साथ इन समस्याओं पर भी गंभीरता से ध्यान दिया जाए, ताकि हरपालपुर रेलवे स्टेशन वास्तव में आदर्श और सुरक्षित स्टेशन बन सके।

नैनागिरी में प्राकृत भाषा अध्ययन कार्यशाला सानंद सम्पन्न, प्राकृत प्रज्ञा प्रतियोगिता के परिणाम घोषित

प्रवेश संवाद नैनागिरी (छतरपुर)

केंद्रीय संस्कृत विवि नई दिल्ली एवं प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 21 दिवसीय प्राकृत भाषा अध्ययन कार्यशाला का समापन समारोह दिनांक 14 जनवरी 2024 को श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिरी में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्राकृत भाषा के अध्ययन, अध्यापन, शोध तथा जन-जागरूकता को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम के संरक्षक श्री सुरेश जैन (आईएएस) एवं न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन रहीं। समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री संतोष जैन घड़ी एवं श्री संतोष जैन बैटरी रहे, जबकि अध्यक्षता प्रो. रमाकांत पांडे, निदेशक, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. रमाकांत पांडे ने प्राकृत भाषा को भारतीय ज्ञान-परंपरा की मूल संवाहक बताते हुए कहा कि जैन आगम, दर्शन और साहित्य को समझने में प्राकृत का विशेष स्थान है। मुख्य अतिथियों ने कार्यशाला के सफल आयोजन की सराहना करते हुए प्रतिभागियों से अर्जित ज्ञान को समाज तक पहुँचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्री सुनील देव जी सागर (क्षेत्र समरसता संयोजक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ), श्री मनोज पांडे (प्रांत मंत्री, संस्कृत भारती, जबलपुर), श्री विनोद जैन रजवास, विद्वान श्री विनोद जैन सहित अनेक विद्वान, शिक्षाविद् एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यशाला का समन्वयक डॉ धर्मेंद्र कुमार जैन ने कार्यशाला के आयोजन में महत्व पूर्ण भूमिका निभाई। प्रो जगतराम भट्टाचार्य कोलकाता, डॉ प्रभात कुमार दास, डॉ सतेंद्र कुमार जैन, डॉ सुमत कुमार जैन उदयपुर, डॉ कमलेश जैन जयपुर द्वारा कुशल अध्यापन कराया गया। प्रो फूलचंद जैन प्रेमी के रिकॉर्डेड प्राकृत वक्तव्य को भी सुनाया गया। कार्यक्रम का सशक्त एवं प्रभावी संचालन डॉ सोनल जैन (दिल्ली) द्वारा किया गया। कार्यशाला के अंतर्गत आयोजित प्राकृत प्रज्ञा प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसका आयोजन सुदूर अंचलों तक किया गया। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ राजेश जैन शास्त्री, अरुण जैन शास्त्री, अनिल जैन शास्त्री एवं विजय जैन शास्त्री रहे।डॉ हरिश्चंद जैन सागर, डॉ निर्मल जैन टीकमगढ़ , सुनील जैन शास्त्री बड़ागांव, राजकुमार जैन शास्त्री सागर, उदयचंद जैन शास्त्री सागर आदि विद्वानों का समागम प्राप्त हुआ।

समापन समारोह में प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा कर विजेताओं को सम्मानित किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का कुशल एवं सफल संयोजन डॉ आशीष जैन आचार्य (शाहगढ़) द्वारा किया गया। आयोजकों ने इसे प्राकृत भाषा के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस कार्यक्रम में टीकमगढ़, शाहगढ़, बम्होरी, सागर, बक्सवाहा, बंडा, बारायठा, अमरमऊ, मढ़ेवरा, हीरापुरा आदि स्थानों से अनेक महानुभाव पधारें। क्षेत्र के मंत्री देवेंद्र जी लुहारी, मनीष जैन बम्होरी, अशोक जैन बम्होरी, जिनेश जैन बहरोल आदि की गरिमामय उपस्थिति रही।

श्रीराम कथा से संजय नगर हुआ राममय, भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम

प्रवेश संवाद छतरपुर

जिले के संजय नगर में इन दिनों भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का अनुपम वातावरण देखने को मिल रहा है। बस स्टैंड के समीप स्थित पावन बजरंग धाम में 12 जनवरी से 20 जनवरी तक आयोजित संगीतमय श्रीराम कथा ने पूरे क्षेत्र को राममय बना दिया है। कथा स्थल पर प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है, जहां हर आयु वर्ग के भक्त भगवान श्रीराम की लीलाओं का श्रवण कर भावविभोर हो रहे हैं। इस संगीतमय कथा में सुप्रसिद्ध कथा व्यास श्री राम लखन चतुर्वेदी अपनी अमृतमयी वाणी के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा, त्याग और भक्ति भाव का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन कर रहे हैं। उनके ओजस्वी एवं मधुर प्रवचनों के साथ प्रस्तुत भजनों और संगीत ने कथा को और भी जीवंत बना दिया है, जिससे श्रोता स्वयं को त्रेता युग की घटनाओं का साक्षी अनुभव कर रहे हैं। गुरुवार को कथा का शुभारंभ भगवान श्रीराम की बाल लीलाओं से हुआ, जिसमें अयोध्या की आनंदमयी छटा, माता कौशल्या का वात्सल्य और बालक राम की दिव्य लीलाओं का भावपूर्ण चित्रण किया गया। इसके उपरांत कथा क्रमशः आगे बढ़ते हुए माता सीता के स्वयंवर तक पहुंची। स्वयंवर प्रसंग के दौरान जब भगवान श्रीराम द्वारा शिव धनुष भंग का वर्णन हुआ, तब पूरा पंडाल "जय श्रीराम" के जयकारों से गूंज उठा और श्रद्धालु भावविभोर हो गए। इस पावन आयोजन में संजय नगर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

प्रवेश संवाद छतरपुर.

छतरपुर के तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को 11 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। इसमें पुरानी पेंशन, समान वेतमान , लिपिक वर्ग को समान वेतन, स्वास्थ्य बीमा कैशलेश इत्यादि मांगों के सम्बंध में मांग की गई। ज्ञापन में प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ अध्यक्ष त्रिलोक सिंह चंदेल, सुरेंद्र शर्मा सुमन, के डी भार्गव, अमर रेंकवार श्रीमति निशा खरे, मधुलिका मिश्रा, ओ पी मिश्रा, नितिन खरे, राज खरे, हरी प्रसाद सोनी, देवेंद्र यादव, हरि रैकवार, सोनू ग्यासी रैकवार इंद्रपाल यादव आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दो जिलों की सीमा विवाद में तीन दिन तक नदी में तैरती रही लाश

प्रवेश संवाद छतरपुर. जिले और पन्ना की सीमा पर स्थित केन नदी के रिपटा के पास तीन दिन से एक पुरुष की लाश तैर रही थी क्योंकि दोनों जिलों की पुलिस इसे अपनी सीमा में नहीं मान रही थी क्योंकि नदी के बीचबीच से सीमा तय होती है। आखिरकार गुरुवार को यह लाश निकाली गई जो छतरपुर के युवक के रूप में शिनाख्त हुई। बमीठा थाना पुलिस ने लाश को निकालकर पोस्टमार्टम कराया। यह केन नदी टोरियाटेक मडला रिपटा मेला के पास तैर रहीं थी।

खजुराहो में बाबा उमाकांत जी महाराज सत्संग एवं नामदान

प्रवेश संवाद खजुराहो. आने वाले खराब समय से बचने का रास्ता देने वाले और जीवात्मा के कल्याण का रास्ता बताने वाले वक्त गुरु परम् पूज्य परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज द्वारा (समय परिस्थिति अनुकूल रहने पर) सतसंग व नामदान कार्यक्रम-17 जनवरी 2026, शनिवार समय- दोपहर 2 बजे से शुरू होगा। यह कान्हा पैलेस खजुराहो में कार्यक्रम आयोजित होगा।